an>

Title: Need to augment railway services in Buxar Parliamentary Constituency, Bihar.

श्री अश्विनी कुमार चौबे (बक्सर) ः हमारा संसदीय क्षेत्र बक्सर, जो महर्षि विश्वामित्र की तपोभूमि तथा माता अहिल्या के अवतरण स्थल एवं वामन भगवान का अवतरण स्थल है, जो धार्मिक दृष्टिकोण से अति महत्वपूर्ण है, जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी मिनी काशी के रूप में चरितार्थ करते हुए सभी दृष्टिकोण से विकसित करने की बात कही थी। बिहार एवं उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित बक्सर जो एक प्राचीन आध्यात्मिक केन्द्र के रूप में सुविख्यात तीर्थ स्थल है। साथ ही आजादी की लड़ाई की एक क्रांतिकारी एवं ऐतिहासिक भूमि चौसा, बक्सर के रूप में सुप्रसिद्ध रहा है। इस कारण बक्सर में बिहार एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों सहित देश-विदेश के प्रतिवर्ष बड़ी संख्या में तीर्थ यात्री यहाँ तीर्थाटन के लिए आते हैं जिससे बक्सर स्टेशन की महत्ता काफी बढ़ जाती है। अतः माननीय रेल मंत्री जी से आग्रह करता हूँ कि बक्सर स्टेशन को रेल मंत्रालय द्वारा घोषित एक अत्याधुनिक सुविधायुक्त "आदर्श स्टेशन " के रूप में विकसित करने हेतु यथाशीघ्र कार्य प्रारंभ कराया जाये। साथ ही बक्सर में खाली पड़ी रेल की जमीन (लगभग 100 एकड़) पर वाशिंग पिट प्वाइंट यथा ट्रेन ठहराव सह रेलवे यार्ड की समुचित व्यवस्था की जाए।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष पर मुगलसराय जंक्शन पर शहीद हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के नाम से स्टेशन का नामकरण करते हुए उनकी आदमकद प्रतिमा उक्त स्टेशन परिसर में स्थापित की जाए। बांका जिला के बाराहाट स्टेशन का नामकरण करते हुए आजादी की लड़ाई में "शहीद सतीश " के नाम पर करते हुए उनकी आदमकद प्रतिमा परिसर में स्थापित की जाए तथा रेलवे स्टेशन से मुख्य सड़क तक पथ निर्माण कराया जाए।

नौगछिया स्टेशन परिसर में आज़ादी की लड़ाई में शहीद हुए युवक "मुंशी शाह " के नाम पर स्टेशन का नामकरण करते हुए स्टेशन परिसर में एक आदमकद प्रतिमा स्थापित की जाए एवं नौगछिया, नारायणपुर स्टेशन का आधुनिकीकरण करते हुए नौगछिया में पैदल पारपथ (फुट ओवरब्रिज) (वार्ड नं. 23 नया टोला के समीप) तथा नारायणपुर में जर्जर फुट ओवरब्रिज का निर्माण सहित प्लेटफॉर्म को ऊँचा किया जाए साथ ही नौगछिया स्टेशन के बगल वाली जर्जर रेल सड़क का निर्माण करवाया जाए।

आरा दिनारा होते हुए मां मुंडेश्वरी धाम (कैमूर) तक नई रेल लाइन का विस्तार किया जाए। बक्सर से रामगढ़ होते हुए मां मुंडेश्वरी धाम (कैमूर) तक नई रेल लाइन का विस्तार किया जाए। मुंडेश्वरी धाम (कैमूर) से विंध्यांचल तक नई रेल लाइन का सर्वेक्षण कार्य कर विस्तार किया जाए। फेफना-बलिया जंक्शन (उ.प्र.) से गंगा नदी पार करते हुए बक्सर, गंगौली, भोजपुर, डुमरांव, विक्रमगंज, डिहरी तक नई रेल लाइन का विस्तार किया जाए।